

III. बाह्य अर्थव्यवस्था

वैश्विक समष्टि आर्थिक स्थिति में समग्र सुधार ने भारत में बाह्य क्षेत्र के निष्पादन को आकार देना शुरू किया। जबकि पण्य निर्यात में लगातार गिरावट के तेरह महीनों के बाद आयात में संकुचन की गति काफी कम हो गई। 2009-10 की दूसरी तिमाही के लिए भुगतान संतुलन में, निवल पूंजी अंतर्वाह और आरक्षित निधि में वृद्धि महत्वपूर्ण रहे हैं। बाद की अवधि में, पूंजी प्रवाह तेज रहे और विदेशी मुद्रा भंडार और बढ़कर 15 जनवरी 2010 को 285.2 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया। ईएमई को पूंजी अंतर्वाह में तेजी की अपेक्षा का समष्टि आर्थिक प्रबंधन पर महत्वपूर्ण भिन्न निहितार्थ होगा।

III.1 2009 की तीसरी तिमाही में प्रमुख उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में मजबूत सुधार, वैश्विक पण्य निर्यात में कुछ सुधार और ईएमई को पूंजी प्रवाह में लगातार बहाली के चलते बाह्य माहौल में और सुधार हुआ। भारत में, जबकि पण्य निर्यात में लगातार तेरह महीनों की गिरावट थम गई, वहीं आयात में संकुचन की गति में काफी सुधार हुआ। भुगतान संतुलन (बीओपी) में, निवल पूंजी अंतर्वाह और आरक्षित निधि में वृद्धि तेज रही है। पूंजी अंतर्वाह आरक्षित निधि में वृद्धि तीसरी तिमाही में जारी रही। आइएमएफ द्वारा एसडीआर आबंटन और भारत द्वारा आइएमएफ से स्वर्ण क्रय को देखते हुए, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार के स्तर और संरचना में हाल की अवधि में बदलाव आया है।

अंतरराष्ट्रीय गतिविधियां

III.2 2009 की तीसरी तिमाही में जी-20 देशों (यूके छोड़कर) द्वारा क्रमिक सकारात्मक वृद्धि दिखाने से वैश्विक

अर्थव्यवस्था में सुधार आ रहा है, हालांकि इसकी गति धीमी है। अमरीका ने 2009 की दूसरी तिमाही के 0.7 प्रतिशत की तुलना में 2009 की तीसरी तिमाही में 2.2 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की। पांच क्रमिक तिमाहियों में संकुचन के बाद, 2009 की तीसरी तिमाही में यूरो क्षेत्र में वृद्धि सकारात्मक क्षेत्र (0.4 प्रतिशत) में लौट आई। वैश्विक सुधार में एशिया आगे रहा है। चीनी अर्थव्यवस्था की लगातार तेजी तीसरी तिमाही के 8.9 प्रतिशत से और बढ़कर 2009 की चौथी तिमाही में (वर्ष-दर-वर्ष) 10.7 प्रतिशत हो गई। जापान भी तीसरी तिमाही में 1.3 प्रतिशत की वार्षिकीकृत दर पर बढ़ा।

III.3 ओईसीडी क्षेत्र के लिए बेरोजगारी दर नवंबर 2009 में पिछले माह जैसी ही 8.8 प्रतिशत थी जो एक वर्ष पूर्व की तुलना में 2.1 प्रतिशत अधिक थी। अमरीका के लिए, बेरोजगारी दर दिसंबर 2009 में पिछले माह जैसी ही 10.0 प्रतिशत थी जो एक वर्ष पूर्व की तुलना में 2.6 प्रतिशत अधिक थी।

III.4 आगे बढ़ते हुए, वैश्विक अर्थव्यवस्था के संबंध में यह अनुमान है कि वह 2009 में 1.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज करने के बाद 2010 में सकारात्मक वृद्धि क्षेत्र में लौटेगी (आइएमएफ विश्व आर्थिक संभावना, अक्टूबर 2009)। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के संबंध में यह अनुमान है कि वे 2009 में मंदी में रहने के बाद 2010 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज करेंगी। उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के संबंध में यह अनुमान है कि वे मजबूत सुधार दर्शाते हुए 2009 के 1.7 प्रतिशत से 2010 में 5.1 प्रतिशत पर पहुंच जाएंगी जिसमें इस तेजी में भारत और चीन आगे होंगे (सारणी 3.1)। 19 नवंबर 2009 को प्रकाशित ओईसीडी आर्थिक संभावना के अनुमानानुसार, ओईसीडी

क्षेत्र की वास्तविक जीडीपी 2009 में 3.5 प्रतिशत कम होगी और उसके बाद 2010 में सुधरकर 1.9 प्रतिशत की सकारात्मक वृद्धि दर्ज करेंगी।

III.5 संकट से प्रतिकूल रूप से प्रभावित उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के मामले में उपभोक्ता विश्वास लौटने और औद्योगिक उत्पादन में पुनरुज्जीवन के बावजूद बेरोजगारी दर ऊंची बनी हुई है (चार्ट III.1)।

III.6 2009 में वृद्धि में सुधार से पहले विश्वभर में वित्तीय बाजारों में तेज सुधार के साथ अनेक देशों में निजी सीमापारीय पूंजी अंतर्वाहों की वापसी हुई है। बेहतर वृद्धि संभावना, प्रमुख केंद्रों में शून्य से करीबी नीति दर और कम दीर्घवधि ब्याज दरों का जोड़ पूंजी अंतर्वाहों में, विशेष रूप से उभरते बाजार देशों और पण्य निर्यातकों के लिए पुनरुत्थान के लिए खिंचाव और प्रोत्साहन उपलब्ध कराता है।

III.7 बढ़ते पूंजी अंतर्वाहों के प्रति ईएमई की नीतिगत अनुक्रिया में मौद्रिक और विनिमय दर नीति, पूंजी खाता नीति और विवेकसम्मत नीति नामक तीन घटक शामिल हैं। पहला, अनेक देशों ने अपने विनिमय दर बढ़ने दिए, जबकि अपने निर्यातों की प्रतिस्पर्धात्मकता के प्रति चिंतित कुछ देशों ने ऐसा नहीं किया। दूसरा, पूंजी नियंत्रणों को पूंजी अंतर्वाहों संबंधी समष्टि आर्थिक चुनौतियों का सामना करने के लिए अतिरिक्त नीतिगत लिखत के रूप में देखा जा रहा है। सामान्य प्रक्रिया रहे विवेकसम्मत साधनों का प्रयोग प्राथमिक रूप से वित्तीय स्थिरता की चिंताओं को रोकने पर लक्ष्यित है। सोवरेन जोखिम आकलन पर बाजार फोकस दुबई वर्ल्ड घटना के बाद बढ़ गया। इसके अलावा, भारी घाटों से जुड़ा राजकोषीय जोखिम और देशों के ऋणों को समय अंतराल में महत्व प्राप्त होगा।

मौद्रिक नीति वक्तव्य
2009-10

समष्टि आर्थिक और
मौद्रिक गतिविधियां
तीसरी तिमाही की समीक्षा
2009-10

सारणी 3.1: चयनित आर्थिक संकेतक - विश्व

मद	2007	2008	2009पी	2010पी
1	2	3	4	5
I. वैश्विक उत्पादन (प्रतिशत परिवर्तन) #	5.2	3.0	-1.1	3.1
	(3.8)	(1.8)	(-2.3)	(2.3)
i) उन्नत अर्थव्यवस्थाएं	2.7	0.6	-3.4	1.3
ii) अन्य उभरते बाजार और विकासशील देश	8.3	6.0	1.7	5.1
जिनमें से: विकासशील एशिया	10.6	7.6	6.2	7.3
भारत	9.4	7.3	5.4	6.4
II. उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति (प्रतिशत)				
i) उन्नत अर्थव्यवस्थाएं	2.2	3.4	0.1	1.1
ii) अन्य उभरते बाजार और विकासशील देश	6.4	9.3	5.5	4.9
जिनमें से: विकासशील एशिया	5.4	7.5	3.0	3.4
III. निवल पूंजी प्रवाह * (बिलियन अमरीकी डॉलर)				
i) निवल निजी पूंजी प्रवाह (क+ख+ग)**	696.5	129.5	-52.5	28.3
क) निवल निजी प्रत्यक्ष निवेश	411.2	425.0	279.0	269.5
ख) निवल निजी संविभागीय निवेश	88.1	-85.4	-99.8	-110.4
ग) निवल अन्य निजी पूंजी प्रवाह	197.1	-210.1	-231.6	-130.8
ii) निवल आधिकारिक प्रवाह	-69.5	-105.7	50.3	-14.2
IV. विश्व व्यापार@				
i) व्यापार की मात्रा	7.3	3.0	-11.9	2.5
ii) निर्यात की मात्रा	7.4	2.8	-11.4	2.6
iii) व्यापार मूल्य अपस्फीतिकर्ता	8.1	11.2	-12.2	5.4
V. चालू खाता शेष (जीडीपी का प्रतिशत)				
i) अमरीका	-5.2	-4.9	-2.6	-2.2
ii) चीन	11.0	9.8	7.8	8.6
iii) भारत	-1.0	-2.2	-2.2	-2.5
iv) मध्य पूर्व	18.1	18.3	2.6	7.9

पी : आइएमएफ अनुमान

: वृद्धि दरें क्रय शक्ति समानता पर विनिमय दरों पर आधारित हैं। कोष्ठकों के आंकड़े बाजार विनिमय दरों पर वृद्धि दरें हैं।

* : उभरते बाजारों और विकासशील देशों को निवल पूंजी प्रवाह।

** : आंकड़ों की सीमा के कारण, ठनिवल निजी पूंजी प्रवाह के तहत सूचीबद्ध प्रवाह में कुछ आधिकारिक प्रवाह शामिल हो सकते हैं।

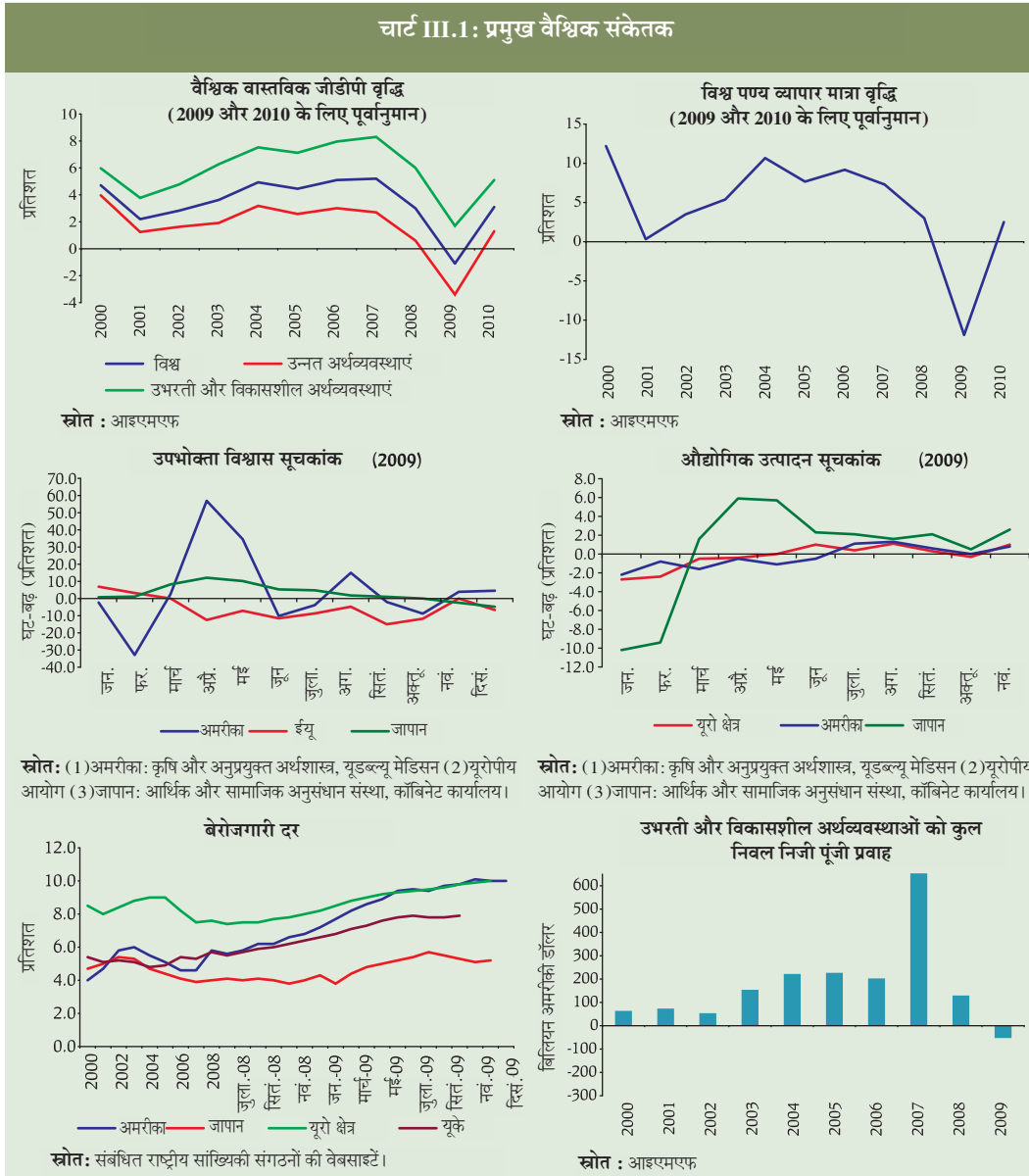
@ : माल और सेवाओं के वैश्विक निर्यात और आयात के लिए वार्षिक प्रतिशत परिवर्तन का औसत।

स्रोत: वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक, अक्टूबर 2009, आइएमएफ।

III.8 वैश्विक पण्य निर्यात नवंबर 2008 से कम होने लगा क्योंकि समकालिक वैश्विक आर्थिक मंदी के प्रभाव के तहत बाद के महीनों में गिरावट की दर बढ़ गई थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) की अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सांख्यिकी (आइएफएस) के अनुसार, सितंबर 2009 में विश्व निर्यात में 16.6 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष कमी जनवरी 2009 से न्यूनतम थी जो संकुचन की गति में गिरावट के संदर्भ

में सुधार दर्शाती है। संचयी रूप से, जनवरी-सितंबर 2009 में वैश्विक पण्य निर्यात (डॉलर संदर्भ में) ने एक वर्ष पहले की 24.2 प्रतिशत वृद्धि के विपरीत 27.1 प्रतिशत गिरावट दर्शाई (सारणी 3.2)। डब्ल्यूटीओ आंकड़ों के अनुसार, जबकि वैश्विक पण्य निर्यात 2009 की तीसरी तिमाही में 10 प्रतिशत बढ़ा (क्रमिक रूप से तिमाही-दर-तिमाही), वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 26 प्रतिशत कमी आई।

चार्ट III.1: प्रमुख वैश्विक संकेतक



पण्य व्यापार

निर्यात

III.9 अक्टूबर 2008 में शुरू हुई भारतीय पण्य निर्यात में गिरावट की प्रवृत्ति अक्टूबर 2009 तक तेरह

क्रमिक महीनों में जारी रही। किंतु, निर्यात में गिरावट की दर ने जून 2009 से लगातार कमी दर्शाई। नवंबर 2009 में, यह प्रवृत्ति उलट गई क्योंकि निर्यात में नवंबर 2008 की 13.5 प्रतिशत गिरावट की तुलना में 18.2 प्रतिशत वृद्धि हुई (चार्ट III.2)। इस सुधार को एक

सारणी 3.2: निर्यात - वृद्धि - वैश्विक परिदृश्य

क्षेत्र / देश	(प्रतिशत)			
	2007	2008	2008	2009
	जनवरी-दिसंबर	जनवरी-दिसंबर	जनवरी-सितंबर	जनवरी-सितंबर
1	2	3	4	5
विश्व	14.1	15.8	24.2	-27.1
उन्नत अर्थव्यवस्थाएं	13.5	11.0	19.5	-28.1
अमरीका	12.0	11.9	17.8	-23.0
फ्रांस	12.3	10.1	19.4	-28.5
जर्मनी	18.0	10.8	18.9	-29.5
जापान	7.8	12.3	18.6	-33.4
उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं	15.3	24.6	33.1	-25.7
सिंगापुर	10.1	13.0	22.9	-28.5
चीन	25.6	17.3	22.3	-21.2
भारत	23.3	29.7	33.9*	-22.8*
इंडोनेशिया	14.7	24.4	27.6	-23.4
कोरिया	14.1	13.6	22.6	-20.9
मलेशिया	9.6	19.1	23.3	-29.5
थाईलैंड	17.1	12.9	24.7	-21.0

* पिछले वर्ष की सम अवधि की तुलना में जनवरी - नवंबर।

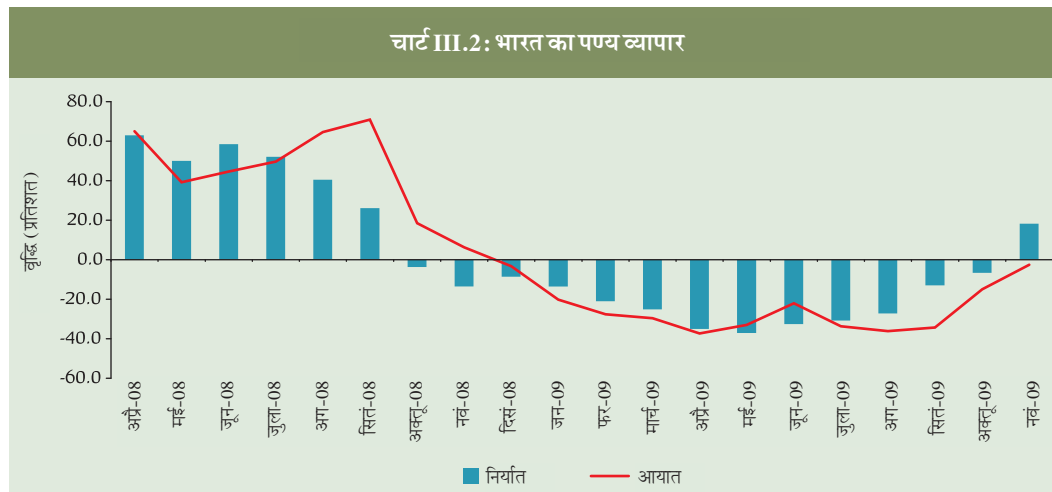
स्रोत : 1. आइएमएफ (www.imfstatistics.org).
2. भारत के लिए डीजीसी आइ एंड एस

वर्ष पूर्व के निम्न आधार के संदर्भ में देखा जाना है। संचयी आधार पर, भारतीय पण्य निर्यात ने अप्रैल-नवंबर 2009 में, एक वर्ष पूर्व के समकाल की 32.7 प्रतिशत वृद्धि के विपरीत 22.4 प्रतिशत गिरावट दर्ज की।

III.10 2009-10 (अप्रैल-जून) के भारतीय निर्यात समूह की संरचना प्रकट करती है कि 70.9 प्रतिशत के साथ विनिर्मित माल का हिस्सा सर्वाधिक था जिसके बाद प्राथमिक उत्पाद (14.4 प्रतिशत) और पेट्रोलियम उत्पाद (12.1 प्रतिशत) का स्थान था। इसके अलावा, विनिर्मित माल का हिस्सा समय अंतराल में बढ़ गया और पेट्रोलियम उत्पाद के हिस्से में कमी आई। अप्रैल-जून 2009 में, सभी प्रमुख पण्य समूहों का निर्यात कम हो गया (सारणी 3.3)।

III.11 गंतव्य के संदर्भ में, विकासशील देश और ओईसीडी देश भारतीय निर्यात के लिए प्रमुख बाजार थे और इनका हिस्सा क्रमशः 37.7 प्रतिशत और 36.9 प्रतिशत था। देश-वार, अप्रैल-जून 2009 में यूएई भारत के लिए सबसे बड़ा गंतव्य था और भारत के कुल निर्यात में इसका हिस्सा 14.0 प्रतिशत था जिसके बाद अमरीका, चीन, सिंगापुर, हांगकांग और यूके का स्थान था। ईयू, ओपेक और विकासशील देशों जैसे प्रमुख निर्यात गंतव्यों को निर्यात अप्रैल-जून 2009 में कम हो गया (सारणी 3.4)।

चार्ट III.2: भारत का पण्य व्यापार



सारणी 3.3: प्रमुख पण्यों का निर्यात						
वस्तु /समूह	बिलियन अमरीकी डॉलर			घट-बढ़ (प्रतिशत)		
	2008-09	2008-09सं	2009-10अ	2008-09	2008-09सं	2009-10अ
	अप्रैल - मार्च	अप्रैल-जून		अप्रैल - मार्च	अप्रैल-जून	
1	2	3	4	5	6	7
1. प्राथमिक उत्पाद	25.3	8.2	5.2	-8.0	72.3	-36.8
जिसमें से:						
क) कृषि एवं संबद्ध उत्पाद	17.5	5.7	3.7	-4.9	95.4	-34.7
ख) अयस्क और खनिज	7.8	2.5	1.4	-14.5	34.9	-41.5
2. विनिर्मित उत्पाद	123.1	36.0	25.6	19.6	58.8	-29.0
जिसमें से:						
क) रसायन एवं संबद्ध उत्पाद	22.7	6.1	4.7	7.1	33.6	-23.9
ख) इंजीनियरिंग वस्तुएं	47.3	13.8	9.4	26.5	71.6	-31.7
ग) वस्त्र एवं वस्त्र उत्पाद	20.0	5.6	4.3	3.0	28.2	-22.5
घ) रत्न एवं आभूषण	28.0	9.1	6.1	42.1	102.4	-32.7
3. पेट्रोलियम उत्पाद	26.8	9.2	4.4	-5.4	42.8	-52.4
4. कुल निर्यात	185.3	56.4	36.1	13.7	57.0	-36.0
जापान:						
तेल से इतर निर्यात	158.5	47.2	31.7	17.8	60.1	-32.8

सं.:संशोधित।

अ.:अर्न्तितम।

स्रोत: वाणिज्यिक आसूचना एवं अंक संकलन महानिदेशालय।

आयात

III.12 अक्टूबर-नवंबर 2008 में वृद्धि में कमी के दौर के बाद, भारत का आयात कम होना शुरू हो गया

जिसमें गिरावट की दर क्रमिक माहों में बढ़ती गई। किंतु, अगस्त 2009 से आयात में गिरावट की दर ने काफी कमी दर्शाई जिसमें नवंबर 2009 में वर्ष-दर-वर्ष आयात

सारणी 3.4: भारतीय निर्यातों की दिशा						
समूह/देश	बिलियन अमरीकी डॉलर			घट-बढ़ (प्रतिशत)		
	2008-09	2008-09सं	2009-10अ	2008-09	2008-09सं	2009-10अ
	अप्रैल - मार्च	अप्रैल-जून		अप्रैल - मार्च	अप्रैल-जून	
1	2	3	4	5	6	7
1. ओईसीडी देश	68.5	19.6	13.3	6.5	41.1	-32.0
जिनमें से:						
ईयू	39.0	11.5	7.4	13.0	57.2	-36.1
उत्तरी अमरीका	22.3	5.9	4.4	1.6	20.0	-26.6
अमरीका	21.0	5.6	4.1	1.3	19.4	-26.6
2. ओपेक	38.9	12.4	8.7	44.0	90.7	-29.7
यूएई						
जिनमें से:	24.0	8.1	5.1	53.4	112.9	-37.6
3. विकासशील देश	68.5	21.8	13.6	-0.9	53.4	-37.5
जिनमें से:						
एशिया	51.3	16.3	10.4	-0.4	59.2	-36.2
पिपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना	9.3	2.9	2.0	-14.3	49.1	-29.7
सिंगापुर	8.2	3.5	1.9	11.4	116.8	-44.7
4. कुल निर्यात	185.3	56.4	36.1	13.7	57.0	-36.0

सं.: संशोधित।

अ.: अर्न्तितम।

स्रोत: डीजीसीआइएडएस।

सारणी 3.5: आयात की प्रवृत्ति (वृद्धि)

	(प्रतिशत)	
	अप्रैल-नवंबर	
	2008-09सं.	2009-10अ.
पीओएल आयात	60.8	(-) 34.5
गैर- पीओएल आयात	36.5	(-) 23.9
कुल आयात	43.6	(-) 27.4

सं: संशोधित। अ: अंतिम।
स्त्रोत: डीजीसीआइएडएस।

में गिरावट 2.6 प्रतिशत हो गई जो अब तक की गिरावट की सबसे कम दर है। समग्र रूप से, अप्रैल-नवंबर 2009 में आयातों ने एक वर्ष पूर्व की 43.6 प्रतिशत वृद्धि के विपरीत 27.4 प्रतिशत गिरावट दर्ज की। आयात में गिरावट ने अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के कम मूल्यों और देशी आर्थिक गतिविधियों में मंदी का संयुक्त प्रभाव दर्शाया (सारणी 3.5 और चार्ट III.3)।

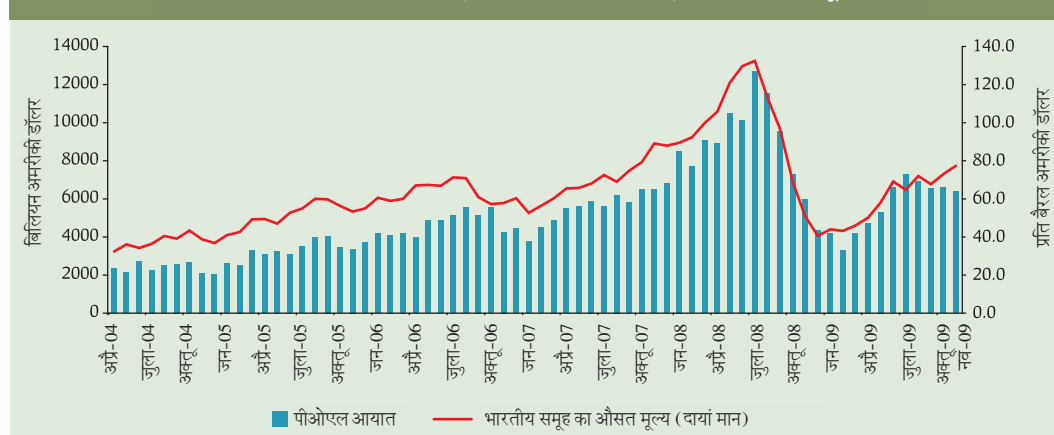
III.13 2009-10 (अप्रैल-जून) के पण्यवार आयात दर्शाते हैं कि पीओएल आयातों ने तेज गिरावट दर्शाई। इस अवधि में गैर- पीओएल आयातों ने भी 24.5 प्रतिशत की गिरावट दर्शाई जिसका मुख्य कारण लोहा और इस्पात, पूंजीगत माल, सोना-चांदी, मोती, मूल्यवान

और अर्ध मूल्यवान पत्थर, रसायन और कोयले के आयात में तेज गिरावट था। किंतु, खाद्य तेल का आयात काफी बढ़ गया (सारणी 3.6)।

III.14 स्रोत-वार, अप्रैल-जून 2009 में भारत के आयात में सर्वाधिक हिस्सा ओईसीडी देशों का था (34.1 प्रतिशत) जिसके बाद विकासशील देशों (34.0 प्रतिशत) और ओपेक (28.8 प्रतिशत) का स्थान था। इस अवधि में विकासशील देशों और ओईसीडी देशों का हिस्सा बढ़ा जबकि ओपेक का कम हो गया। देश-वार, चीन 12.1 प्रतिशत के साथ आयात का सबसे बड़ा स्रोत बना रहा जिसके बाद अमरीका, यूएई, सऊदी अरब, आस्ट्रेलिया और ईरान का स्थान था।

III.15 भारतीय पण्य व्यापार घाटा 2007-08 के 7.5 प्रतिशत से बढ़के 2008-09 में 10.0 प्रतिशत हो गया। किंतु, अप्रैल-नवंबर 2009 में पण्य व्यापार घाटा निर्यात की तुलना में व्यापक गिरावट दर्शाते हुए गत वर्ष के समकाल की तुलना में कम हो गया (सारणी 3.7)।

चार्ट III.3: भारत का पीओएल आयात और अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के मूल्य



सारणी 3.6: प्रमुख वस्तुओं का आयात

वस्तु/ समूह	बिलियन अमरीकी डॉलर			घटबढ़ (प्रतिशत)		
	2008-09 अप्रैल - मार्च	2008-09सं. 2009-10अ.		2008-09 अप्रैल - मार्च	2008-09सं. 2009-10अ.	
		अप्रैल-जून			अप्रैल-जून	
1	2	3	4	5	6	7
पेट्रोलियम, पेट्रोलियम उत्पाद और संबंधित सामग्री	91.3	29.6	16.6	14.6	74.1	-43.9
खाद्य तेल	3.4	0.6	1.2	34.4	-10.3	99.6
लोहा और इस्पात	9.5	2.4	1.8	8.9	5.2	-25.5
पूँजीगत वस्तुएं	71.6	19.8	15.0	2.2	60.0	-24.4
मोती, मूल्यवान और कम मूल्यवान रत्न	16.6	5.7	2.9	107.6	145.6	-49.2
रसायन	12.2	3.6	3.0	23.1	50.8	-17.2
सोना और चांदी	21.8	6.5	5.6	22.3	-9.1	-14.5
कुल आयात	303.7	88.7	61.2	20.8	49.0	-31.0
<i>जापन:</i>						
तेल से इतर आयात	212.4	59.1	44.6	23.6	39.0	-24.5
सोना और चांदी को छोड़कर तेल से इतर आयात	190.5	52.5	39.0	23.8	48.8	-25.7
मुख्यतः औद्योगिक निविष्टियाँ*	169.3	48.2	34.9	20.2	45.9	-27.6
सं.: संशोधित। अ.: अनंतिम।						
*: सोना और चांदी छोड़कर तेल से इतर आयात, थोक उपभोक्ता माल, विनिर्मित उर्वरक और प्रोफेशनल औजार।						
स्रोत: वाणिज्यिक आसूचना एवं अंक संकलन महानिदेशालय।						

सारणी 3.7: भारत का वणिक माल व्यापार

मद	(बिलियन अमरीकी डॉलर)		
	2008-09सं. (अप्रैल-मार्च)	2008-09सं.	2009-10अ
		अप्रैल-नवंबर	
1	2	3	4
निर्यात	185.3	134.2	104.2
तेल	26.8	21.7	..
तेल से इतर	158.5	112.5	..
आयात	303.7	234.4	170.2
तेल	91.3	76.5	50.1
तेल से इतर	212.4	157.8	120.1
व्यापार संतुलन	-118.4	-100.2	-66.1
तेल से इतर वस्तुओं का व्यापार संतुलन	-53.9	-45.3	..
घटबढ़ (प्रतिशत)			
निर्यात	13.7	32.7	-22.4
तेल	-5.4	25.7	..
तेल से इतर	17.8	34.1	..
आयात	20.8	43.6	-27.4
तेल	14.6	60.8	-34.5
तेल से इतर	23.6	36.5	-23.9
सं.: संशोधित। अ.: अनंतिम।			
.. उपलब्ध नहीं।			
स्रोत: वाणिज्यिक आसूचना एवं अंक संकलन महानिदेशालय।			

भुगतान संतुलन (बीओपी)

चालू खाता

III.16 2009 की तीसरी तिमाही में वैश्विक उत्पाद और वैश्विक पण्य निर्यात में क्रमिक तिमाही सुधार के बावजूद, मंद वैश्विक मांग की निरंतरता भारत की चालू खाता स्थिति को प्रभावित करती रही। निर्यात और आयात वृद्धि में गिरावट 2009-10 की दूसरी तिमाही में भी बनी रही। भारतीय पण्य निर्यात (बीओपी आधार पर) ने जुलाई-सितंबर 2009 में पिछले वर्ष के समकाल की 39.6 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि के विपरीत 21.0 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। आयात में संकुचन जो कि 2008-09 की चौथी तिमाही में शुरू हुआ था - लगभग सात वर्ष के अंतराल के बाद - 2009-10 की दूसरी तिमाही में जारी रहा। आयात ने (बीओपी आधार पर) 2009-10 की दूसरी तिमाही में

मौद्रिक नीति वक्तव्य
2009-10

समष्टि आर्थिक और
मौद्रिक गतिविधियां
तीसरी तिमाही की समीक्षा
2009-10

पिछले वर्ष के समकाल की 54.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि के विपरीत 19.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। आयात में गिरावट तेल और तेल से भिन्न दोनों आयातों में कमी से हुई थी। किंतु, व्यापार घाटा 2009-10 की दूसरी तिमाही में पिछले वर्ष के समकाल (39.1 बिलियन अमरीकी डॉलर) की तुलना में कम (32.2 बिलियन अमरीकी डॉलर) था जो कम तेल मूल्यों के कारण आयात में, विशेष रूप से तेल आयात में भारी गिरावट दर्शाता है। 2009-10 की पहली छमाही के लिए भी (अप्रैल-सितंबर) व्यापार घाटा पिछले वर्ष के समकाल (64.4 बिलियन अमरीकी डॉलर) की तुलना में कम (58.2 बिलियन अमरीकी डॉलर) था जिसका मुख्य कारण तेल

आयात में गिरावट था। किंतु, दूसरी तिमाही में निर्यात और आयात पहली तिमाही की तुलना में अधिक थे। आयात की निरपेक्ष वृद्धि निर्यात वृद्धि की तुलना में अधिक होने के कारण 2009-10 की दूसरी तिमाही में व्यापार घाटा पहली तिमाही की तुलना में अधिक था (सारणी 3.8)।

अदृश्य मदें

III.17 वैश्विक वित्तीय संकट का प्रतिकूल प्रभाव दर्शाते हुए, अदृश्य नद प्राप्तियां, जिनमें सेवा, चालू अंतरण और आय शामिल हैं, ने 2009-10 की दूसरी तिमाही में पिछले वर्ष के समकाल की 33.1 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में 15.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की (सारणी 3.9)।

सारणी: 3.8: भारत का भुगतान संतुलन

(बिलियन अमरीकी डॉलर)								
	2007-08 अप्रैल- मार्च	2008-09 आंसं अप्रैल- मार्च	2008-09				2009-10	
			ति1 आंसं	ति2 आंसं	ति3 आंसं	ति4 आंसं	ति1 आंसं	ति2 आंसं
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1. निर्यात	166.2	189.0	57.5	53.6	39.4	38.5	38.8	42.4
2. आयात	257.6	307.7	82.7	92.8	73.5	58.7	64.8	74.6
3. व्यापार संतुलन (1-2)	-91.5	-118.7	-25.3	-39.1	-34.0	-20.2	-26.0	-32.2
4. निवल अदृश्य मदें	75.7	89.9	22.0	26.5	22.4	19.0	20.0	19.6
5. चालू खाता शेष (3+4)	-15.7	-28.7	-3.3	-12.6	-11.7	-1.2	-6.0	-12.6
6. सकल पूंजी अंतर्वाह	438.4	312.4	94.4	90.0	68.7	59.4	77.2	98.1
7. सकल पूंजी बहिर्वाह	331.8	305.2	89.5	82.9	74.8	58.0	71.3	74.5
8. निवल पूंजी खाता (6-7)	106.6	7.2	4.9	7.1	-6.1	1.4	6.0	23.6
9. समग्र शेष (5+8)#	92.2	-20.1	2.2	-4.7	-17.9	0.3	0.1	9.4
<i>ज्ञापन:</i>								
i. निर्यात वृद्धि (%)	28.9	13.7	57.0	39.6	-8.4	-20.0	-32.5	-21.0
ii. आयात वृद्धि (%)	35.1	19.4	46.8	54.8	9.2	-20.8	-21.7	-19.6
iii. व्यापार शेष (जीडीपी के % के रूप में)	-7.8	-10.3						
iv. अदृश्य प्राप्तियों में वृद्धि (%)	30.0	9.8	31.8	33.1	5.4	-18.3	-7.5	-15.1
v. अदृश्य भुगतानों में वृद्धि (%)	17.3	0.6	18.5	12.0	2.4	-20.8	-5.6	0.2
vi. निवल अदृश्य मदों में वृद्धि (%)	45.0	18.7	44.6	54.2	8.0	-15.8	-9.0	-26.3
vii. जीडीपी के % के रूप में सीएडी	-1.3	-2.5						
viii. निवल पूंजी प्रवाह (जीडीपी के % के रूप में)	9.1	0.6						
ix. विदेशी मुद्रा भंडार (अवधि के अंत में)	309.7	252.0	312.1	286.3	256.0	252.0	265.1	281.3
# समग्र शेष में मद 5 और 8 के अलावा भूल-चूक भी शामिल है। पीआर : आंशिक संशोधित। पी. : प्राथमिक।								

सेवा निर्यात, सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात सहित, के मुख्य घटकों ने तिमाही में गिरावट दर्ज की। किंतु, निजी अंतरण प्राप्तियां, जिनमें मुख्यतः विदेश में कार्यरत भारतीयों के विप्रेषण और एनआरआई रुपया जमाराशियों से स्थानीय आहरण शामिल हैं, तिमाही में स्थिर बने रहे। इसकी प्रतिक्रिया में, अदृश्य मद भुगतान ने तिमाही में थोड़ी वृद्धि दर्ज की जिसका मुख्य कारण कारोबार और वित्तीय सेवा के तहत के भुगतान था। समग्र रूप से, निवल अदृश्य मदें (अदृश्य मद प्राप्तियों से अदृश्य मद भुगतान घटाकर) पिछले वर्ष के समकाल की तुलना में कम थीं जिसका मुख्य कारण सेवा निर्यात, विशेष रूप से गैर-सॉफ्टवेयर सेवा प्राप्तियों में गिरावट था।

III.18 2009-10 की पहली छमाही में, अदृश्य मद प्राप्तियों (निजी अंतरण प्राप्तियां छोड़कर) और भुगतान ने भी पिछले वर्ष के समकाल की तुलना में गिरावट दर्ज

की। अदृश्य मद प्राप्तियों में गिरावट का मुख्य कारण सेवा के लगभग सभी घटकों में कम प्राप्तियां था। अदृश्य मद भुगतान में गिरावट का मुख्य कारण यात्रा, परिवहन, गैर-सॉफ्टवेयर सेवा और निजी अंतरण के प्रति कम भुगतान था। परिणाम स्वरूप, निवल अदृश्य मदें 2009-10 की पहली छमाही में पिछले वर्ष के समकाल की तुलना में कम थीं। इस स्तर पर, अदृश्य मद अधिशेष ने अप्रैल-सितंबर 2009 के 75.4 प्रतिशत की तुलना में अप्रैल-सितंबर 2009 में लगभग 68.0 प्रतिशत व्यापार घाटे का वित्तपोषण किया। 2009-10 की दूसरी तिमाही में चालू खाते का घाटा लगभग 2008-09 की दूसरी तिमाही जैसा ही रहा (12.6 बिलियन अमरीकी डॉलर) बना रहा, हालांकि इसने 2009-10 की पहली तिमाही की तुलना में काफी वृद्धि दर्शाई। किंतु, कम व्यापार घाटे के बावजूद, चालू खाते का घाटा अप्रैल-सितंबर 2008 के 15.8 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर अप्रैल-सितंबर

सारणी 3.9: अदृश्य मदों से सकल प्राप्तियां और भुगतान

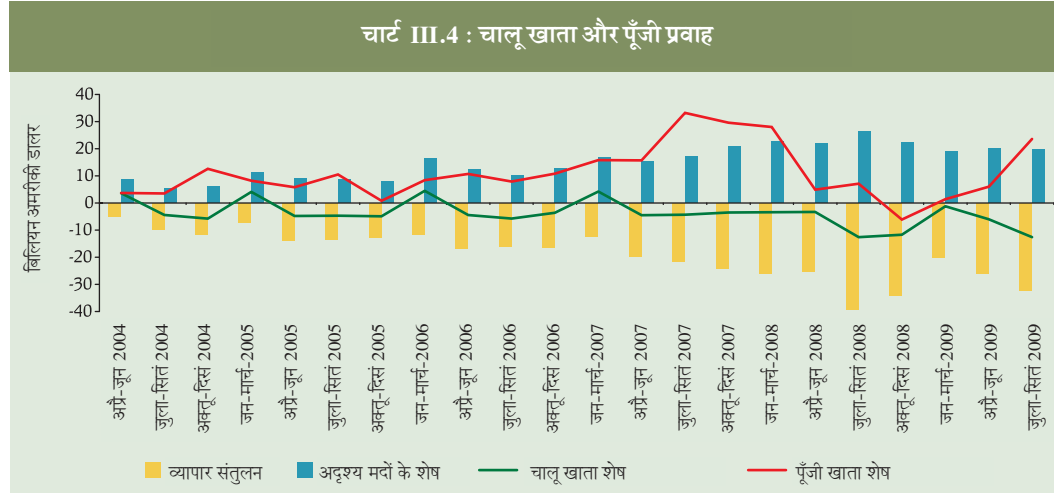
मद	(बिलियन अमरीकी डॉलर)									
	अदृश्य मदों से संबंधित प्राप्तियां					अदृश्य मदों से संबंधित भुगतान				
	अप्रैल-मार्च	अप्रैल-सितंबर		जुलाई-सितंबर	अप्रैल-मार्च	अप्रैल-सितंबर		जुलाई-सितंबर		
2008-09 आंस.	2008-09 आंस.	2009-10 प्रा.	2008-09 आंस.	2009-10 प्रा.	2008-09 आंस.	2008-09 आंस.	2009-10 प्रा.	2008-09 आंस.	2009-10 प्रा.	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1. यात्रा	10.9	5.3	4.8	2.8	2.5	9.4	4.9	4.4	2.7	2.4
2. परिवहन	11.3	5.7	5.1	3.0	2.6	12.8	7.1	5.0	3.8	2.2
3. बीमा	1.4	0.7	0.8	0.4	0.4	1.1	0.5	0.7	0.3	0.3
4. अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी मदें	0.4	0.2	0.2	0.08	0.1	0.8	0.2	0.2	0.1	0.1
5. विविध	77.7	39.1	29.2	21.6	14.3	27.9	13.2	14.4	6.7	8.5
जिसमें से: सॉफ्टवेयर	46.3	24.2	21.4	12.1	10.6	2.8	1.8	0.8	0.9	0.4
सॉफ्टवेयर से इतर	31.4	14.9	7.8	9.5	3.7	25.1	11.4	13.6	5.8	8.1
6. अंतरण	47.5	26.6	27.6	13.8	14.3	2.7	1.5	1.0	0.8	0.6
जिसमें से: निजी अंतरण	46.9	26.4	27.5	13.7	14.2	2.3	1.3	0.8	0.7	0.5
7. आय	14.3	7.7	7.7	4.1	4.7	18.8	9.4	10.1	4.9	5.1
निवेश आय	13.5	7.3	7.3	3.9	4.5	17.5	8.7	9.4	4.6	4.8
कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	0.8	0.4	0.4	0.3	0.2	1.3	0.7	0.7	0.3	0.4
कुल (1 से 7)	163.5	85.3	75.4	45.8	38.9	73.6	36.7	35.8	19.3	19.3

प्रा. प्रारंभिक।

आंस.: आंशिक संशोधन।

मौद्रिक नीति वक्तव्य
2009-10

समष्टि आर्थिक और
मौद्रिक गतिविधियां
तीसरी तिमाही की समीक्षा
2009-10



2009 में 18.6 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया जिसका मुख्य कारण कम निवल अदृश्य मद अधिशेष था। 2008-09 में, जीडीपी के प्रतिशत के रूप में चालू खाते का घाटा एक वर्ष पहले के 1.3 प्रतिशत की तुलना में 2.5 प्रतिशत पर अधिक था (चार्ट III.4)।

पूंजी खाता

III.19 2009-10 की पहली तिमाही में पुनरुज्जीवित हुआ पूंजी प्रवाह दूसरी और तीसरी तिमाही में तेज हो गया। सकल पूंजी अंतर्वाह और बहिर्वाह दोनों इस अवधि में बढ़ गए (चार्ट III.4 और सारणी 3.10)।

सारणी 3.10 : निवल पूंजी प्रवाह
(बिलि.अम.डॉ.)

मद	2007-08 अप्रैल- मार्च	2008-09 अप्रैल- मार्च आसं.	2008-09				2009-10	
			ति.1 आसं.	ति.2 आसं.	ति.3 आसं.	ति.4 आसं.	ति.1 आसं.	ति.2 प्रा.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1. विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआइ) आवक एफडीआइ जावक एफडीआइ	15.9 34.7 18.8	17.5 35.0 17.5	9.0 11.9 2.9	4.9 8.8 3.9	0.5 6.3 5.9	3.2 8.0 4.8	7.0 9.7 2.6	7.1 11.3 4.2
2. संविभागीय निवेश जिसमें से:	27.4	-14.0	-4.2	-1.3	-5.8	-2.7	8.3	9.7
विदेशी संस्थागत निवेशक एडीआर / जीडीआर	20.3 6.6	-15.0 1.2	-5.2 1.0	-1.4 0.1	-5.8 0.00	-2.6 0.02	8.2 0.04	7.0 2.7
3. बाह्य सहायता	2.1	2.6	0.4	0.5	1.0	0.8	0.08	0.5
4. बाह्य वाणिज्यिक उधार	22.6	7.9	1.5	1.7	3.8	1.0	-0.4	1.2
5. एनआरआइ जमाराशियां	0.2	4.3	0.8	0.3	1.0	2.2	1.8	1.0
6. एनआरआइ जमाराशियों को छोड़कर बैंकिंग पूंजी	11.6	-7.5	1.9	2.0	-6.0	-5.4	-5.2	3.4
7. अल्पावधि व्यापार ऋण	15.9	-1.9	4.5	0.4	-4.2	-2.6	-1.5	0.8
8. रुपया ऋण चुकौती	-0.1	-0.1	-0.03	-0.03	-	-0.07	-0.02	-0.01
9. अन्य पूंजी	11.0	-1.5	-8.9	-1.4	3.7	5.1	-4.1	-0.1
कुल (1 से 9)	106.6	7.2	4.9	7.1	-6.1	1.4	6.0	23.6

प्रा: प्रारंभिक। आसं: आंशिक संशोधन।

III.20 घटक-वार, निवल अंतर्वाही एफडीआइ 2009-10 की दूसरी तिमाही में मजबूत बना रहा जो भारतीय अर्थव्यवस्था की तुलनात्मक रूप से बेहतर वृद्धि संभावना दर्शाता है। संविभागीय निवेशों ने लगातार अपनी ऊर्ध्वमुखी प्रवृत्ति बनाए रखी जिसका कारण 2009-10 की पहली तिमाही से एफआइआइ अंतर्वाहों का पुनरुज्जीवन था। संविभागीय निवेशों के तहत अंतर्वाहों में भारतीय शेयर बाजारों में एफआइआइ द्वारा इक्विटी की भारी खरीद और अमरीकी निक्षेपागार रसीद (एडीआर)/वैश्विक निक्षेपागार रसीद (जीडीआर) के तहत निवल अंतर्वाहों का पुनरुज्जीवन था जिसका कारण भारतीय कंपनियों के शेयर मूल्यों में तेजी आना था।

III.21 2009-10 की पहली छमाही में भी, निवल पूंजी प्रवाह अधिक थे जो मुख्यतः विदेशी निवेश अंतर्वाहों से प्रेरित थे और विशेष रूप से एफआइआइ अंतर्वाहों में सुधार दर्शा रहे थे। बैंकिंग पूंजी में, एनआरआइ जमाराशि में निवल अंतर्वाह उच्च बने रहे। भारत में निवल अंतर्वाही एफडीआइ अप्रैल-सितंबर 2008 के स्तर की तुलना में अप्रैल-सितंबर 2009 में तेज बने रहे। इस अवधि में, एफडीआइ को मुख्यतः विनिर्माण क्षेत्र में लगाया गया जिसके बाद संचार सेवा और भूसंपदा क्षेत्र का स्थान था। किंतु, निवल बाह्य वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) इस अवधि में कम बने रहे। अल्पावधि व्यापार ऋण ने अप्रैल-सितंबर 2009 में गत वर्ष के समकाल की तुलना में निवल बहिर्वाह दर्ज किया।

III.22 पूंजी खाते के कुछ संकेतकों पर अद्यतन उपलब्ध जानकारी से पता चलता है कि पूंजी प्रवाहों में पुनरुज्जीवन, जो 2009-10 के प्रारंभ में शुरू हुआ और दूसरी तिमाही में तेज हुआ, तीसरी तिमाही में भी तेज बना रहा (सारणी 3.11)। 2009-10 में भारत का अपेक्षा से बेहतर समष्टि आर्थिक निष्पादन और भारतीय वृद्धि संभावना के प्रति वैश्विक निवेशकों की सकारात्मक भावना वे कारक हैं जो वर्ष के दौरान पूंजी अंतर्वाहों की निरंतरता के लिए प्राथमिक रूप से उत्तरदायी हैं।

सारणी 3.11: 2009-10 में अब तक पूंजी प्रवाह

(बिलियन अमरीकी डॉलर)			
घटक	अवधि	2008-09	2009-10
1	2	3	4
भारत को एफडीआइ	अप्रैल-नवंबर	23.3	25.0
एफआइआइ (निवल)	अप्रैल-जान.*	-12.1	24.7
एडीआर / जीडीआर	अप्रैल- नवंबर	1.1	3.1
ईसीबी अनुमोदन	अप्रैल- नवंबर	13.0	12.3
एनआरआइ जमाराशियां (निवल)	अप्रैल-दिसंबर	2.1	3.2

* : 15 जनवरी 2010 तक।
 एफडीआइ : विदेशी प्रत्यक्ष निवेश।
 एफआइआइ : विदेशी संस्थागत निवेशक।
 ईसीबी : बाह्य वाणिज्यिक उधार।
 एनआरआइ : अनिवासी भारतीय।
 एडीआर : अमरीकी निक्षेपागार रसीद।
 जीडीआर : वैश्विक निक्षेपागार रसीद।

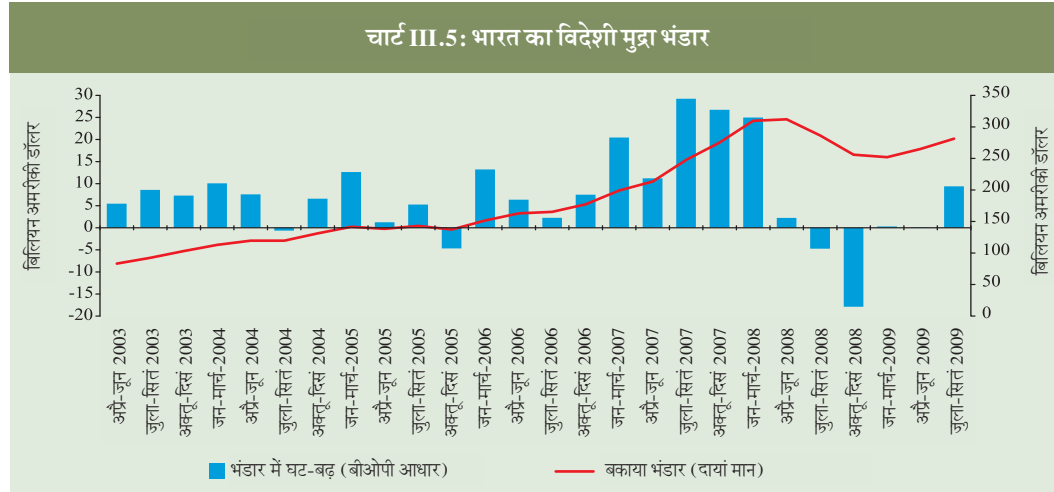
विदेशी मुद्रा भंडार

III.23 बीओपी आधार पर (अर्थात् मूल्यन प्रभाव छोड़कर), विदेशी मुद्रा भंडार अप्रैल-सितंबर 2009 में अप्रैल-सितंबर 2008 के 2.5 बिलियन अमरीकी डॉलर की तुलना में 9.5 बिलियन अमरीकी डॉलर बढ़ा। मूल्यन लाभ, मुख्य मुद्राओं के प्रति अमरीकी डॉलर का मूल्यहास दर्शाते हुए, अप्रैल-सितंबर 2009 में अप्रैल-सितंबर 2008 के 20.9 बिलियन अमरीकी डॉलर की मूल्यन हानि की तुलना में 19.8 बिलियन अमरीकी डॉलर था। तदनुसार, अप्रैल-सितंबर 2009 में मूल्यन लाभ विदेशी मुद्रा भंडार में कुल वृद्धि में 67.5 प्रतिशत था (चार्ट III.5)।

III.24 आइएमएफ ने भारत को दो बार में एसडीआर का आबंटन किया, अर्थात् 28 अगस्त 2009 को एसडीआर 3,082 मिलियन का सामान्य आबंटन (4.82 बिलियन अमरीकी डॉलर के समतुल्य) और 9 सितंबर 2009 को एसडीआर 214.6 मिलियन का विशेष आबंटन (0.34 बिलियन अमरीकी डॉलर के समतुल्य) जिससे 2009-10 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 5.16 बिलियन अमरीकी डॉलर की वृद्धि हुई।

मौद्रिक नीति वक्तव्य
2009-10

समष्टि आर्थिक और
मौद्रिक गतिविधियां
तीसरी तिमाही की समीक्षा
2009-10



III.25 भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 2009-10 में अब तक (15 जनवरी 2010 तक) 33.2 बिलियन अमरीकी डॉलर बढ़ कर 285.2 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया (सारणी 3.12)।

इस अवधि में भंडार में हुई वृद्धि मूल्यन लाभ और भुगतान संतुलन में समग्र शेष में निवल अधिशेष दर्शाती है। इसके अलावा, रिजर्व बैंक ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार प्रबंधन कार्यों

सारणी 3.12 : विदेशी मुद्रा भंडार (मिलियन अम. डॉलर)

माह के अंत में	स्वर्ण	एसडीआर@	विदेशी मुद्रा आस्तियां*	अंमुको में रिजर्व की स्थिति	कुल (2+3+4+5)	ज़ायन: माह के अंत में रिजर्व बैंक द्वारा अमरीकी डॉलर की निवल फॉरवर्ड बिक्री (-) / खरीद (+) का शेष
1	2	3	4	5	6	7
मार्च 2000	2,974	4	35,058	658	38,694	(-) 675
मार्च 2005	4,500	5	135,571	1,438	141,514	-
मार्च 2006	5,755	3	145,108	756	151,622	-
मार्च 2007	6,784	2	191,924	469	199,179	-
मार्च 2008	10,039	18	299,230	436	309,723	(+) 14,735
मार्च 2009	9,577	1	241,426	981	251,985	(-) 2,042
अप्रैल 2009	9,231	1	241,487	983	251,702	(-) 1,071
मई 2009	9,604	1	251,456	1,245	262,306	(+) 131
जून 2009	9,800	1	254,093	1,248	265,142	(+) 745
जुलाई 2009	9,671	1	260,631	1,338	271,641	(+) 800
अगस्त 2009	9,828	4,828	261,247	1,349	277,252	(+) 619
सितंबर 2009	10,316	5,224	264,373	1,365	281,278	(+) 539
अक्टूबर 2009	10,800	5,242	266,678	1,581	284,391	(+) 435
नवंबर 2009	18,182#	5,309	263,191	1,464	288,146	(+) 500
दिसंबर 2009	18,292	5,169	258,583	1,425	283,469	-
जनवरी 2010##	18,292	5,181	260,259	1,429	285,161	-

@ : आइएमएफ द्वारा 28 अगस्त 2009 तथा 9 सितंबर 2009 को क्रमशः सामान्य आबंटन के अंतर्गत आबंटित 3,082.5 मिलियन एसडीआर तथा विशेष आबंटन के अंतर्गत आबंटित 214.6 मिलियन एसडीआर शामिल है।
* : 20 मार्च 2009 से आइआइएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में मूल्यवर्गित 250 मिलियन अमरीकी डॉलर निवेश को छोड़कर।
: 3 नवंबर 2009 को आइएमएफ से 200 मैट्रिक टन सोने की खरीद को 6,699 मिलियन अमरीकी डॉलर में सम्मिलित किया गया है।
: 15 जनवरी 2010 को। - : उपलब्ध नहीं।

के भाग के रूप में 3 नवंबर 2009 को आइएमएफ से 200 मेट्रिक टन सोना खरीदा। किंतु, विदेशी मुद्रा भंडार स्वर्ण लेनदेन से अप्रभावित दिखता है क्योंकि स्वर्ण-क्रय विदेशी मुद्रा आस्तियों का एक प्रतिस्थापन ही दर्शाता है।

बाह्य ऋण

III.26 सितंबर 2009 के अंत में 242.8 बिलियन अमरीकी डॉलर का भारत का बाह्य ऋण इसके मार्च 2009 के अंत के स्तर की तुलना में 18.2 बिलियन अमरीकी डॉलर (8.1 प्रतिशत) की वृद्धि दर्शाता है जिसका मुख्य कारण दीर्घावधि ऋण में वृद्धि होना है (सारणी 3.13)। सितंबर 2009 के अंत में, दीर्घावधि ऋण उसके मार्च 2009 के अंत के स्तर की तुलना में 10.6 प्रतिशत बढ़ा जबकि अल्पावधि ऋण में 2.3 प्रतिशत की कमी आई। भारत के बाह्य ऋण में कुल

वृद्धि (18.2 बिलियन अमरीकी डॉलर) में, मुख्य अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के प्रति अमरीकी डॉलर के मूल्यहास के कारण मूल्यन प्रभाव 8.3 बिलियन अमरीकी डॉलर था (45.6 प्रतिशत)। कुल बाह्य ऋण में वृद्धि ने आइएमएफ द्वारा भारत को किए संचयी एसडीआर आबंटन को शामिल करने के प्रभाव को बाह्य ऋण सांख्यिकी में दीर्घावधि देयता के रूप में लाना दर्शाया।

III.27 कुल ऋण में अल्पावधि का अनुपात मार्च 2009 के अंत के 19.3 प्रतिशत से कम होकर सितंबर 2009 के अंत में 17.5 प्रतिशत रह गया। विदेशी मुद्रा भंडार के प्रति अल्पावधि ऋण अनुपात मार्च 2009 के अंत के 17.2 प्रतिशत से कम होकर सितंबर 2009 के अंत में 15.1 प्रतिशत रह गया। मुद्रा संरचना के संदर्भ में, सितंबर 2009

सारणी 3.13 : भारत का बाह्य ऋण

मद	मार्च 2008 के अंत में आंसं.	मार्च 2009 के अंत में आंसं.	जून 2009 के अंत में आंसं.	सितंबर 2009 के अंत में प्रा.	(बिलियन अम. डॉलर)	
					घट-बढ़ (मार्च 2009 की तुलना में सितंबर 2009)	
					राशि	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7
1. बहुपक्षीय	39.5	39.5	41.2	42.4	2.8	7.1
2. द्विपक्षीय	19.7	20.6	21.4	22.1	1.5	7.1
3. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष	1.1	1.0	1.1	6.3	5.3	519.4
4. व्यापार ऋण (1 वर्ष से अधिक)	10.4	14.6	14.9	15.4	0.8	5.5
5. बाह्य वाणिज्यिक उधार	62.3	62.4	63.0	66.8	4.4	7.0
6. अनिवासी भारतीय जमाराशि	43.7	41.6	44.6	46.0	4.4	10.6
7. रुपया ऋण	2.0	1.5	1.6	1.6	0.07	4.8
8. दीर्घावधि (1 से 7)	178.7	181.2	187.8	200.4	19.2	10.6
9. अल्पावधि	45.7	43.4	42.0	42.4	-1.0	-2.3
कुल (8+9)	224.4	224.6	229.8	242.8	18.2	8.1
(प्रतिशत)						
कुल ऋण/ जीडीपी	19.0	21.5	-			
अल्पावधि ऋण/ कुल ऋण	20.4	19.3	18.3	17.5		
अल्पावधि ऋण/ रिजर्व	14.8	17.2	15.9	15.1		
रियायती ऋण / कुल ऋण	19.7	18.7	18.9	18.4		
रिजर्व/ कुल ऋण	138.0	112.1	115.4	115.8		
ऋण चुकोती अनुपात	4.7	4.4	5.6	4.9		
प्रा. प्रारंभिक।	आंसं.: आंशिक संशोधन।					

के अंत में कुल बाह्य ऋण में अमरीकी डॉलर मूल्यवर्गित ऋण का हिस्सा 51.4 प्रतिशत था। भारत का ऋण चुकौती अनुपात अर्थात् चालू प्राप्तियों के प्रतिशत के रूप में ऋण चुकौती कम बना रहा किंतु अप्रैल-सितंबर 2009 में एक वर्ष पूर्व के 3.7 प्रतिशत से बढ़कर 4.9 प्रतिशत हो गया।

III.28 ऋण स्टॉक की अवशिष्ट परिपक्वता, जो कि अल्पावधि में संभाव्य ऋण चुकौती देयता के आकलन का संकेतक है, के अनुसार सितंबर 2009 के अंत में अल्पावधि ऋण (एक वर्ष से कम) 93.2 बिलियन अमरीकी डॉलर था। इसमें 42.4 बिलियन अमरीकी डॉलर पर मूल परिपक्वता के आधार पर अल्पावधि ऋण और एक वर्ष के भीतर भुगतान के लिए देय 50.8 बिलियन अमरीकी डॉलर का दीर्घावधि बाह्य ऋण शामिल है। एक वर्ष के भीतर चुकौती के लिए देय कुल दीर्घावधि बाह्य में एसआरआई जमाराशि का हिस्सा सितंबर 2009 के अंत में 79.8 प्रतिशत (36.7 बिलियन अमरीकी डॉलर) था।

अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति

III.29 सितंबर 2009 के अंत में, भारत की निवल अंतरराष्ट्रीय निवेश देयताएं 97.8 बिलियन अमरीकी डॉलर

थीं जो जून 2009 के अंत के 86.1 बिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक थीं। अंतरराष्ट्रीय आस्तियां जून 2009 के अंत के 357.6 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर सितंबर 2009 के अंत में 378.6 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गईं जिसका मुख्य कारण तिमाही के दौरान आरक्षित आस्तियों में वृद्धि था। अंतरराष्ट्रीय देयता में इसी अवधि में 443.7 बिलियन अमरीकी डॉलर से 476.4 बिलियन अमरीकी डॉलर की वृद्धि का कारण अंतर्वाही प्रत्यक्ष निवेश, संविभागीय इक्विटी निवेश, भारत को ऋण और आइएमएफ से भारत को एसडीआर आबंटन में वृद्धि था (चार्ट III.6)।

III.30 इस प्रकार, भारत की भुगतान संतुलन स्थिति थोड़े चालू खाता घाटे, तेज पूंजी अंतर्वाह और विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि के साथ 2009-10 की दूसरी तिमाही में अनुकूल बनी रही। तीसरी तिमाही में भी, यह प्रवृत्ति जारी रही। अधिक महत्वपूर्ण रूप से, पण्य निर्यात गिरावट के निरंतर तेरह महीनों के बाद नवंबर 2009 में सुधरा और आयात में कमी की गति भी काफी कम हो गई जो आयात मांग पर आर्थिक वृद्धि में तेज सुधार का प्रभाव दर्शाती है।

चार्ट III.6: भारत की अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति

